The Chitransh Academic & Research
An International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume1 | Issue 5 | December 2025
ISSN: 3049-303X (Online)
Website: www.thechitranshacadmic.in

सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 खेमेन्द्र कुमार शर्मा

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

लेख विवरण

शोधपत्र

प्राप्ति तिथि: 12/11/2025

स्वीकृति तिथि: 22/12/2025

प्रकाशनतिथि: 31/12/2025

मुख्य शब्द: सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति, तुलनात्मक अध्ययन, लिंग भिन्नता, विद्यार्थी।।

सारांश

प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 140 विद्यार्थियों (70 सरकारी एवं 70 प्राइवेट विद्यालयों के) का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया । इसके बाद चयनित न्यादर्श पर डॉ0 (श्रीमती) अविनाश द्वारा निर्मित 'विज्ञान अभिवृत्ति मापनी' का प्रशासन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया। जबकि छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई गयी ।

.

प्रस्तुत शोध पत्र में सरकारी एवं

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग विज्ञान का युग कहलाता है क्योंकि विज्ञान ने मानव के जीवन में अनगिनत परिवर्तन कर दिए हैं। वैज्ञानिक आविष्कारों एवं खोजो ने मानव जीवन को सुगम एवं सरल बना दिया है। प्राचीन काल में जिन कार्यों को पूर्ण करने में महीनों लग जाते थे, आज वही कार्य कुछ घंटे में संपन्न हो जाते हैं। विज्ञान ने मानव जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है। चाहे वह रहन–सहन हो या दृष्टिकोण सभी में विज्ञान के कारण बहुत अधिक परिवर्तन आए हैं। विज्ञान का प्रभाव कृषि, शिक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाएं, आवास जैसे सभी क्षेत्रों पर दृष्टिगोचर होता हैवर्तमान समय में यह आवश्यक है कि सभी व्यक्तियों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति विकसित हो जाए, विशेष कर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है, ताकि वह विज्ञान का प्रयोग मानव विकास के लिए कर सके क्योंकि अगर विज्ञान ने हमें अनेक लाभदायक मशीन एवं उपकरण दिए हैं तो दूसरी तरफ अनेक विनाशकारी हथियार, परमाणु बम एवं रासायनिक हथियार भी दिए हैं जिनके प्रयोग से मानव जाति का पूर्ण रूप से विनाश किया जा सकता है। विश्व में हो रही वैज्ञानिक प्रगति मानव जाति के लिए एक और वरदान साबित हुई है वहीं दूसरी ओर अभिशाप भी हो गई। आवश्यक है कि विज्ञान के सदुपयोग पर जोर दिया जाए ताकि मानव जीवन और अधिक समृद्ध एवं खुशहाल बन सके। आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य है। अतः यदि इनमें विज्ञान के सही उपयोग का विचार विकसित किया जाए तो विश्व में शांति कायम की जा सकती है। यदि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण को सही दिशा दी जाएगी तो वह विज्ञान का प्रयोग मानव की भलाई के लिए करेगा एवं समाज को सुखमय बनाने में अपना योगदान दे सकेंगे। अतः इसी कारण से शोधकर्ता ने सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करने का निश्चय इस अनुसंधान कार्य में किया है।

कौर बी.के. (2019). नें अपने अध्ययन में पाया की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति तथा विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य घातक संबंध पाया गया।

राव.अजीत.(2021). ने अपने अध्ययन में पाया कि शासकीय विद्यालयों के उच्च एवं निम्न शैक्षणिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिवृति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। अशासकीय विद्यालयों के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया।

रमाशंकर.(2021). ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्रों में वैज्ञानिक अभिव्यक्ति औसत से अधिक स्तर तथा छात्राओं में औसत स्तर की है। तथा छात्र–छात्राओं की वैज्ञानिक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

Crossponding author: hod.education22@gmail.com

कुमारी.भावना.(2022). ने अपने अध्ययन में पाया कि विज्ञान मेले में भाग लेने वाले व भाग न लेने वाले छात्रों की वैज्ञानिक अभिव्यक्ति में सार्थक अंतर पाया गया, विज्ञान मेले में भाग लेने वाले छात्रों की वैज्ञानिक अभिव्यक्ति विज्ञान मेले में भाग न लेने वाले छात्रों से उच्च पाई गई।

उद्देश्यः–

1–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं/विद्यार्थियों का विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएंः–

1–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है ।

2–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई जाती है।

समस्या का परिसीमनः–

1 प्रस्तुत शोध अध्ययनमुरादाबाद जिले तक ही सीमित रखा गया है।

2 प्रस्तुत शोध अध्ययन में सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों का ही चयन किया गया है।

3 प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति का ही अध्ययन किया गया है।

4 प्रस्तुत शोध अध्ययन में केवल सर्वेक्षण विधि का ही चयन किया गया है।

न्यादर्श एवं शोध विधिः–

प्रस्तुत अध्ययन हेतु जिला मुरादाबाद के सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत 140 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया। मुरादाबाद जिले के सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सूची बनाई गई । सूची के अनुसार सरकारी एवं प्राइवेट विद्यालयों के नाम की पर्ची बनाकर अलग–अलग डिब्बों में डालकर हिलाया गया। प्रत्येक डिब्बे से दो सरकारी एवं दो प्राइवेट विद्यालयों का चयन लॉटरी विधि द्वारा किया गया। दो सरकारी विद्यालयों से 70(35 छात्र+35 छात्राएं) तथा दो प्राइवेट विद्यालयों से 70(35 छात्र+35 छात्राएं) विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में सोद्देश्य न्यादर्शन विधि से किया गया। इस प्रकार शोधकर्ता द्वारा अपने शोध अध्ययन हेतु 140 न्यादर्श का चयन कर लिया गया । शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

Crossponding author: hod.education22@gmail.com

सांख्यिकीय विश्लेषणः–

1–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है ।

तालिका 01

सरकारी एवं प्राइवेटउच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति सम्बन्धी तुलनात्मक परिणाम–

समूह		संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
छात्र	सरकारी	35	53.26	9.94	2.23	0.05 स्तर पर सार्थक
	प्राइवेट	35	47.83	10.36		
छात्र	सरकारी	35	50.80	9.87	1.95	0.05 स्तर पर सार्थक
	प्राइवेट	35	45.89	11.18		
	सरकारी	70	52.03	9.98	2.94	0.01 स्तर पर सार्थक
	प्राइवेट	70	46.86	10.81		

स्वतंत्रता के अंश–68,138

0.0 5, 0.01 स्तर पर सारणीय मान 2.00,1.98, 2.65, 2.61

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है की सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान क्रमशः 53.26 एवं 47.83 प्राप्त हुए जिनमें 5.43 का अंतर है यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक है क्योंकि इसके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मन 2.23 स्वतंत्रता के अंश 68 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम सारणीय मान 2.0 की अपेक्षा अधिक है, अर्थात सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति प्राइवेट माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अधिक है। अतः सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति पर विद्यालय के प्रकार का प्रभाव पाया जाता है।

सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान क्रमशः 50.80 एवं 45.89 प्राप्त हुए हैं जिनमें 4.91 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं है क्योंकि इसके लिए प्राप्त अनुपात का मान 1.95

Crossponding author: hod.education22@gmail.com

स्वतंत्रता के अंश 68 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम सारणीय मान 2.0 की अपेक्षाकृत है कम है, अर्थात सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति, प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समान ही है स अतः सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति पर विद्यालय के प्रकार (सरकारी एवम् प्राइवेट) का प्रभाव नहीं पाया जाता है

सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिव्यक्ति के मध्यमान क्रमशः 52.03 एवं 46.86 प्राप्त हुए जिनमें में 5.17 का अंतर है,यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक है क्योंकि इसके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.94 स्वतंत्रता के अंश 138 पर सार्थकता के 0.01 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम सारणी मान 2.61 की अपेक्षाकृत अधिक है, अर्थात सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति, प्राइवेट माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है अतः सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक हैं। अतः सरकारी एवम् प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृति पर विद्यालय के प्रकार (सरकारी एवं प्राइवेट) का प्रभाव पाया जाता है

अतः इन परिणामों के आधार पर पूर्व में ली गई परिकल्पना सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है, आंशिकतः स्वीकृत की जाती है ।

सांख्यिकीय विश्लेषणः–

परिकल्पना2–सरकारी एवंप्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पायी जाती है ।

तालिका–2

सरकारी एवं प्राइवेटउच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता सम्बन्धी तुलनात्मक परिणाम ।

विद्यालयों के प्रकार	समूह	संख्या	मध्मान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपातमान	सार्थकता
सरकारी	छात्र	35	53.26	9.94	1.04	0.05 स्तर परअसार्थक
	छात्र	35	50.80	9.87		
प्राइवेट	छात्र	35	47.83	10.35	0.75	0.05 स्तर पर असार्थक
	छात्र	35	45.89	11.18		

Crossponding author: hod.education22@gmail.com

स्वतंत्रता के अंश–68

0.05 स्तर पर सारणीय मान 2.0

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान क्रमशः 53.26 एवं 50.0 प्राप्त हुए जिनमें 2.46 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकी दृष्टिकोण से सार्थक नहीं है क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 1.04 स्वतंत्रता के अंश 68 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम सारणीय मान 2.0 की अपेक्षाकृत कम है, अर्थात सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति समान है। अतः सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई गई।

प्राइवेट माध्यमिक विद्यालय के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान के क्रमशः 47.83 एवं 45.89 प्राप्त हुए जिनमें 1.94 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं है क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 0.75 स्वतंत्रता के अंश 68 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम सारणीय मान 2.0 की अपेक्षाकृत कम है अर्थात प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति समान है। अतः सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई गई।

अतः इन परिणामों के आधार पर पूर्व में ली गई परिकल्पना सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई जाती है, स्वीकृत है की जाती है

निष्कर्ष

1–सरकारी एवं प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया तथा सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के छात्र / विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति, प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/ विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पाई गई। सरकारी एवम् प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

2– सरकारी/प्राइवेट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति में लिंग भिन्नता नहीं पाई गई।

Crossponding author: hod.education22@gmail.com

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

- भटनागर,सुरेश.(1995). शिक्षा मनोविज्ञान, सूर्या प्रकाशन मेरठ.
- भटनागर, आर. पी.(1995). शिक्षा अनुसन्धान विधि एवं विश्लेषण, ईगल बुक्स इंटरनेशनल, मेरठ.
- दुबे, एल. एन.(1994). शिक्षा मनोविज्ञान, प्रकाशन मेरठ .
- माथुर, एस.एस.(1981). शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा .
- श्रीवास्तव,डी.एन. (नवीन संस्करण) सान्खिखीय एवं मापन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.
- लाल, रमण.विहारी. (1994). शिक्षा की दार्शनिक एवं समाज शाश्त्रीय पद्धति, मेरठ प्रकाशन .
- लाल, विहारी.रमण. (2017). आकलन और अधिगम, आर लाल पब्लिकेशन, मेरठ .
- अग्रवाल, जे. सी. (2014). समावेशी शिक्षा.

Crossponding author: hod.education22@gmail.com